GYAN MANTHAN
A MULITIDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL

Gyan Manthan

Journal homepage: www.gyanmanthan.org ISSN: **3108-3455**

विकसित भारत के निर्माण में राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 की भूमिका का अध्ययन।

प्रदीप देशमुख,
शोधार्थी,शिक्षा शास्त्र, अध्ययनशाला
सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय,उज्जैन
डॉ.राजीव पण्ड्या,
प्राचार्य,
शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय,उज्जैन,मध्यप्रदेश

सारांश

किसी भी विकसित राष्ट्र के विकसित होने में वहां की शिक्षा प्रणाली का योगदान सबसे महत्वपूर्ण होता है। भारत ने वर्तमान में विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अपनी शिक्षा प्रणाली में व्यापक परिवर्तन किए हैं। उनमें सबसे प्रमुख परिवर्तन शिक्षा नीति–2020 है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 शिक्षा व्यवस्था को अधिक समावेशी, बहुविषयक, लचीली तथा कौशल आधारित बनाने पर बल देती है। उपर्युक्त अनुसंधान पत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के माध्यम से विकसित भारत के योगदानों का विश्लेषण करता है। यह अध्ययन में पाया गया है कि NEP–2020 के अंतर्गत उच्च शिक्षा तक पहुंचने के मार्ग को आसान एवं लचीला बनाया गया है। NEP–2020 गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास, अनुसंधानों में नवाचार, बहुविषयक शिक्षा अतः विषयक (अंतर्विषयक) शिक्षा को बढ़ावा देकर भारत को ज्ञान आधारित समाज बनाने में योगदान देना है। अतः कहा जा सकता है कि NEP–2020 को प्रभावशाली ढंग से लागू किया जाए तो यह भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में निर्णायक भूमिका निभायेगी।

मुख्य शब्द : राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020, बहुविषयक, शिक्षा सुधार, विकसित भारत, डिजिटल शिक्षा।

1.प्रस्तावना

शिक्षा राष्ट्र निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण तत्व होती है जो राष्ट्र के नागरिकों को न केवल ज्ञानअर्जन ही नहीं अपितु सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं वैश्विक परिवर्तनों की पृष्ठभूमि में तैयार करती है। आधुनिक समय में शिक्षा का महत्व और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है क्योंकि ज्ञान एवं कौशल ही आज प्रत्येक राष्ट्र की उन्नति की शक्ति का सूचक है और भारत जैसे विशाल विविधता व जनसंख्या वाले देश में शिक्षा का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जन करना ही नहीं अपितु सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं लोकतांत्रिक मूल्यों को भी मजबूत करना भी होता है। इसी उद्देश्यों को ध्यान में रखकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को लागू किया गया है। NEP–2020 भारतीय शिक्षा प्रणाली में व्यापक बदलावों एवं परिवर्तनों को प्रस्तावित करती है।

NEP–2020 शिक्षा को सबसे निचले स्तर तकनीकी तक पहुँचाने का लक्ष्य रखा है। NEP–2020 शिक्षा को अधिक लचीला, बहुविषयक, कौशल आधारित बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इस नीति के प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच, तर्क एवं समस्या समाधान को कौशल विकसित करना ही है। साथ ही NEP–2020 अनुसंधानों को जोड़ने एवं कौशल विकास, नवाचारों, डिजिटल शिक्षा आदि को बढ़ावा देने पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 में विकसित वर्ष 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

वर्तमान समय में भारत एक ऐसी दिशा में अग्रसर है जिसका उद्देश्य आत्मनिर्भर एवं विकसित राष्ट्र की श्रेणी में खड़ा होना है। अपनी दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम में बदलाव की शुरुआत NEP–2020 से की गई है। भारत सरकार का लक्ष्य है कि आजादी के 100 वें वर्ष तक भारत एक विकसित राष्ट्र हो। जो विकास में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका शिक्षा की है क्योंकि शिक्षा ही वह माध्यम है जो समाज को ज्ञान, कौशल, समझ एवं नैतिक मूल्यों से समृद्ध करती है। इसी संदर्भ में वर्ष 2020 में NEP–2020 लागू की गई है जो भारतीय शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार एवं क्रान्तिकारी कदम के तौर पर देखा जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, 34 वर्षों बाद शिक्षा व्यवस्था में एक मुख्य बदलाव लागू किया है। जिसमें ECCE, 5+3+3+4 संरचना का प्रावधान किया गया है जो 10़2 की जगह लेगी। इसके अलावा राष्ट्रीय शिक्षा नीति बहुविषयक शिक्षा, कौशल विकास, डिजिटल विकास, AI अनुसंधान एवं नवाचारों पर केंद्रित शिक्षा प्रदान करती है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बहुविषयक विश्वविद्यालयों की स्थापना, अनुसंधान के लिए अलग NRF की स्थापना करना है। जिसका

उद्देश्य अनुसंधान को बढ़ावा देना एवं नवाचार का क्रियान्वयन करना महत्वपूर्ण है।यह नीति केवल शिक्षा प्रणाली में सुधार लाना ही नहीं अपितु शिक्षा की पूरी कार्यप्रणाली में बदलाव लाता है। NEP–2020 ऐसे नागरिकों के निर्माण में विश्वास करती है जो नैतिक मूल्यों, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, भारत की समृद्ध ऐतिहासिक संस्कृति एवं इतिहास के प्रति सजग हों। कोठारी आयोग (1964–66) ने अपनी रिपोर्ट में शिक्षा को विकास का प्रमुख साधन माना है। अग्रवाल (2013) ने अपनी पुस्तक में बताया है कि शिक्षा का मुख्य अध्ययन अंतर–दृष्टि अपितु सामाजिक परिवर्तन एवं राष्ट्रीय विकास में इसका मुख्य योगदान है। अरुण कुमार (2014) ने अपने अध्ययन में पाया कि NEP–2020 शिक्षा को अधिक लचीला एवं बहुविषयक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मिश्रा (2021) ने अपने अध्ययन में पाया कि NEP–2020 शिक्षा को अधिक समावेशी एवं गुणवत्तापूर्ण प्रदान करती है। उपर्युक्त संदर्भों से स्पष्ट होता है कि NEP–2020 विकसित भारत के निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी।

2.अध्ययन के उद्देश्य

1. NEP–2020 की प्रमुख विशेषताओं का अध्ययन करना।
2. विकसित भारत के निर्माण में NEP–2020 की भूमिका का अध्ययन करना।
3. NEP–2020 के माध्यम से शिक्षक शिक्षा में नवाचारों का अध्ययन करना।
4. NEP–2020 का अनुसंधान के क्षेत्र में योगदान का अध्ययन करना।

3.अध्ययन का परिसीमन

1. यह अध्ययन NEP–2020 तथा विकसित भारत के संदर्भ में संबंधित भूमिका के विश्लेषण तक सीमित है।
2. उपर्युक्त अनुसंधान कार्य गुणात्मक शोध पद्धति पर आधारित है।
3. इसमें किसी प्रकार का सर्वेक्षण शामिल नहीं है।
4. समग्र अध्ययन केवल भारतीय संदर्भ में किया गया है।

4.अध्ययन की विधि

इस अनुसंधान कार्य में गुणात्मक शोध पद्धति का उपयोग किया गया है। इस अध्ययन में NEP–2020 का नीतिगत दस्तावेज, पुस्तकें, शोध पत्र एवं रिपोर्टें सम्मिलित हैं। अध्ययन में विश्लेषण पद्धति का उपयोग किया गया है। यह शोध कार्य पूर्णतः द्वितीयक स्रोतों पर आधारित है।

5.राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 में विकसित भारत हेतु प्रावधान

NEP–2020 का मुख्य उद्देश्य ज्ञान पर आधारित समाज एवं भारत को वैश्विक महाशक्ति बनाना है। यह नीति ऐसे सुधारों की अनुशंसा करती है जो 2047 तक विकसित भारत बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाये। इसके लिए निम्नलिखित प्रावधानों को समाहित किया गया है जो हैं –

1.सार्वभौमिक एवं समान शिक्षा

NEP–2020 का प्रमुख उद्देश्य है कि भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए सार्वभौमिक एवं समान रूप से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो। इसके लिए निम्न नीतियां हैं:

1. प्री–प्राइमरी से लेकर कक्षा–12वीं तक सभी बच्चों के लिए शिक्षा तक समान एवं सार्वभौमिक पहुँच।
2. स्कूली शिक्षा में 2030 तक 100: GER (सकल नामांकन अनुपात) प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित है।
3. सामाजिक एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए विशेष प्रावधानों का निर्माण।
4. समावेशी शिक्षा व्यवस्था पर जोर देना।

2.ECCE (Early Childhood Care and Education)

भारत में भी अब शुरुआती स्तर से ही बच्चों की शिक्षा के लिए विशेष प्रावधान किए गये हैं, जिसमें 3 वर्ष से लेकर 6 वर्ष तक के बच्चों की शिक्षा पर विशेष प्रयास किये गये हैं।

1. आंगनवाड़ियों एवं प्री–स्कूलों को समाहित करना।
2. बच्चों के संज्ञानात्मक (Cognitive), सामाजिक एवं भावनात्मक विकास पर जोर देना।
3. कक्षा–3 तक प्रत्येक बालक में FLN (Foundational Literacy and Numeracy – बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता) का ज्ञान सुनिश्चित करना।

3. नई पाठ्यक्रम प्रणाली

NEP–2020 अब 10+2+3 की जगह 5+3+3+4 की संरचना को एकीकृत किया गया है।

संरचना विवरण:

चरण	आयु	कक्षा
1. बुनियादी (Foundational)	3-8 वर्ष	प्री-स्कूल + कक्षा 1 एवं 2
2. प्रारंभिक (Preparatory)	8-11 वर्ष	कक्षा 3 से 5
3. मध्य (Middle)	11 से 14 वर्ष	कक्षा 6 से 8वीं
4. माध्यमिक (Secondary)	14 से 18 वर्ष	कक्षा 9 से 12वीं

4. कौशल आधारित शिक्षा

विकसित भारत के लक्ष्य प्राप्ति के लिए शिक्षा एवं रोजगार उन्मुख कार्यक्रमों का प्रावधान किया गया है, जिसमेंरू

1. कक्षा–6वीं से व्यावसायिक शिक्षा (Vocational Education) की व्यवस्था।
2. छात्रों के लिये इंटर्नशिप एवं प्रशिक्षण का प्रावधान शामिल है।

5.बहु विषयक शिक्षा प्रणाली

NEP–2020 उच्च शिक्षा को बहु विषयक एवं लचीला बनाने पर जोर देती है।

1. चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रमों की शुरुआत करना।
2. Multiple exit system (मल्टीपल एग्जिट सिस्टम – पढ़ाई बीच में छोड़ने पर भी सर्टिफिकेट/डिप्लोमा मिलना)।
3. ABC (Academic Bank of Credit) की स्थापना।

6.शोध एवं नवाचारों को बढ़ावा

NEP–2020 अनुसंधानों एवं नवाचारों का विस्तार करने पर जोर देती है।

1. NRF (National Research Foundation) की स्थापना करना।
2. अनुसंधानों को प्रोत्साहन देना।
3. ज्ञान अर्थव्यवस्था (Knowledge Economy) प्रणाली को मजबूत करना।

7.भारतीय भाषाओं एवं ज्ञान का संरक्षण

NEP–2020 शिक्षा प्रणाली भारत को उसकी संस्कृति एवं ऐतिहासिक विरासत से जोड़ती है। इसके लिये शिक्षा में भारतीय ज्ञान, कला और संस्कृति का समावेश किया गया है।

8. शिक्षक–शिक्षा

शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए शिक्षक–प्रशिक्षण के महत्व पर जोर दिया गया है। इसके लिए निम्न प्रावधान हैं –

1. चार वर्षीय एकीकृत (Integrated) बीएड कार्यक्रम।
2. शिक्षकों के लिए निरंतर प्रशिक्षण।

6.अन्य प्रावधान

शिक्षा में प्रौद्योगिकी का उपयोग, NETF की स्थापना, आधारित शिक्षण, ई–लर्निंग, डिजिटल लाइब्रेरी, स्वास्थ्य शिक्षा प्रणाली एवं GDP का 6ः शिक्षा में खर्च करने जैसे अन्य प्रावधान जोड़े गए हैं।

7.निष्कर्ष

NEP–2020 भारतीय शिक्षा प्रणाली में व्यापक एवं संस्थागत सुधारों की अनुशंसा करती है जिसका उद्देश्य समान, समावेशी एवं सार्वभौमिक शिक्षा व्यवस्था को लागू करना है। शिक्षा कौशल आधारित और गुणवत्तापूर्ण हो ताकि भारत में ज्ञान आधारित समाज, अर्थव्यवस्था एवं वैश्विक शक्ति के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। यदि इस नीति का क्रियान्वयन सटीकता एवं प्रभावशीलता के साथ किया जाता है तो यह भारत को श्रेष्ठ राष्ट्र, कौशल एवं विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करेगी।नवाचार, अनुसंधान, सामाजिक समानता एवं समावेशी शिक्षा के माध्यम से भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी।

8.सुझाव

1. नीति के सफल क्रियान्वयन के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों का आपसी समन्वय आवश्यक है।
2. शिक्षा प्रणाली पर पर्याप्त निवेश की आवश्यकता है।
3. शिक्षक प्रशिक्षणों (शिक्षण प्रशिक्षणों) को मजबूत एवं प्रभावशाली बनाया जाए।
4. कौशल आधारित शिक्षा व्यवस्था पर जोर।
5. भारतीय ज्ञान प्रणाली एवं संस्कृति का समावेश किया जाना चाहिए।
6. उद्योगों एवं शिक्षा के बीच एक मजबूत स्थायी संबंध विकसित किया जाना चाहिए।

GYAN MANTHAN
A MULITIDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL

संदर्भ सूची

भारत सरकार। (2020)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020। नई दिल्लीरू शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार।
अग्रवाल, जे. सी. (2019)। भारतीय शिक्षा का विकास एवं समस्याएँ। नई दिल्लीरू विकास पब्लिशिंग हाउस।
शर्मा, आर. ए. (2018)। शिक्षा अनुसंधान की विधियाँ। मेरठरू आर. लाल बुक डिपो।
सिंह, एम. (2021)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और भारत का शैक्षिक विकास। भारतीय शिक्षा समीक्षा, 12(2), 45–52।
गुप्ता, एस. पी. (2017)। शिक्षा में अनुसंधान पद्धति एवं सांख्यिकी। इलाहाबादः शारदा पुस्तक भवन।
मिश्रा, आर. सी. (2016)। भारतीय शिक्षा का इतिहास एवं विकास। नई दिल्लीः अटलांटिक पब्लिशर्स।
यादव, पी. (2022)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और आत्मनिर्भर भारत। शैक्षिक चिंतन, 8(1), 23–30।
तिवारी, एस. (2021)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020ः अवसर और चुनौतियाँ। समकालीन शिक्षा, 10(3), 60–67।
पांडेय, आर. (2015)। आधुनिक भारत में शिक्षा। वाराणसीरू विश्वभारती प्रकाशन।
वर्मा, डी. (2022)। विकसित भारत के निर्माण में नई शिक्षा नीति की भूमिका। शिक्षा संवाद, 9(2)

GYAN MANTHAN
A MULITIDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL